18

परी

2HHTPE

जाड़े के दिन थे। आसमान में एक परी उड़ रही थी। उड़ते–उड़ते उसने नीचे देखा। पृथ्वी पर रंग–बिरंगे फूल खिले थे। परी फूलों के बीच आ गई। वहाँ उसे तितली मिली। एक मधुमक्खी छत्ता बना रही थी। परी ने उससे कहा, "मधुमक्खी, आओ खेलें।"

मधुमक्खी बोली, "अभी मैं छत्ता बना रही हूँ।"

परी बोली, "पहले खेलो, फिर छत्ता बना लेना।"

मधुमक्खी बोली, "नहीं, नहीं। जाड़े के दिन हैं। बर्फ पड़ने वाली है, उससे पहले मुझे अपना छत्ता बनाना है।"

परी हँसी और बोली, "अगर मैं तुम्हारा छत्ता जल्दी बनवा दूँ तो फिर मेरे साथ खेलोगी ?"

"हाँ," मधुमक्खी बोली। परी ने अपनी साथी मधुमक्खियों को आवाज लगाई। देखते ही देखते वहाँ बहुत सारी मधुमक्खियाँ आ गईं। हजारों–हजार मधुमक्खियाँ। उन्होंने छत्ता बनाकर शहद भरना शुरू किया। जल्दी ही छत्ता बनकर तैयार हो गया।

सब बहुत खुश हुए। परी और मधुमक्खियाँ खुशी से नाचने लगीं। तितली भी उड़ती हुई आकर उनके साथ नाचने लगी।

अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

क. मधुमक्खी ने परी के साथ खेलने से मना क्यों किया ?

ख. परी ने क्या किया ?

ग. मधुमक्खी शहद कहाँ से इकट्ठा करती है ?

2. बताओ –

क. सर्दी से बचने के लिए तुम क्या–क्या करते हो ?

ख. शहद खाने में कैसा लगता है ?

ग. फूल किस–किस रंग के होते हैं ?

3. सोचो और लिखो –

मधुमक्खी के कौन–कौन से गुण हममें भी होने चाहिए ?

4. बोलो और लिखो –

मधुमक्खी, ध्यान, मुस्कराई, पृथ्वी, बर्फ, तितली।

....

5. सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो–

डाल पर .... छत्ता बना रही थी। (मधुमक्खी / चिड़िया)

रंग–बिरंगे फूलों पर .... मँडरा रही थी। (कोयल / तितली)

गंदी जगह पर .... भिनभिनाती है। (मक्खी / मेढक)।

हमारे कमरे में दो .... है। (पहिए / खिड़की)

मैदान में .... खेल रहे हैं। (बच्चे / शेर)

6. विलोम शब्द लिखो –

जैसे सर्दी – गर्मी

हँसना	ऊपर	अच्छा	सुखी
....	....	....	....

7. रंग–बिरंगी तितलियों के चित्र बनाओ ।

8. तितली पर कोई कविता याद कर कक्षा में सुनाओ।

बच्चों के साथ एक वचन एवं बहुवचन पर चर्चा करें तथा उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें।